ओ३म्

# प्रतिमा महाशय श्रीचन्द आर्य भजनोपदेशक

जन्मः- 14 अगस्त सन् 1910

प्रयाणः- 9 अक्टूबर सन् 1982

## संक्षिप्त जीवन परिचय

महान समाज सुधारक , राष्ट्रभक्त, दूरदर्शी आर्य समाज के प्रसिद्ध भजनोपदेशक महाशय श्रीचन्द आर्य का जन्म 14 अगस्त सन् 1910 को चौ.सुलतान सिंह के घर गाँव मतलोडा, जिला हिसार में हुआ। हरयाणा प्रान्त का यह गौरवशाली गाँव उनके वंशधर वीर सेनानी रामकुंवर पुनिया ने सम्वत् 1781 ( सन् 1724 ) आश्विन मास में बसाया था। वे वैदिक पथ के पथिक स्वामी दयानन्द सरस्वती के सच्चे अनुयायी थे। सुरीली आवाज के धनी, उन्होंने आर्य समाज द्वारा संचालित तत्कालीन देशहित आन्दोलनों को सफलीभूत करने में ,गुरूकुलों की स्थापनाओं व अनेक शिक्षण संस्थाओं के संचालन के लिए विपुल धन एकत्रित करने में अविस्मरणीय योगदान दिया। ज्ञान से आप्लावित भजनों, कथाओं व उपदेशों द्वारा उन्होंने दलित उत्पीड़न, अन्धविश्वास तथा सामाजिक कुरीतियों का घोर विरोध किया । उनके भजनों से प्रभावित होकर रहबरे आजम दीनबन्धु सर छोटूराम ने उन्हें एक हारमोनियम उपहार स्वरूप भेंट किया । आजीवन समाज सेवा करते हुए पक्षाघात व मधुमेह रोग के कारण उनका 9 अक्टूबर सन् 1982 को देहान्त हो गया। उन्हें कोटिशः नमन